515

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–17)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	**GSM (M-I)-2417**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Karmveer Narwadia **Mobile Number:** _

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** ____________

Center & Date: MKN | 21 Aug 2024 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0805596

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH.***

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

drishti
दृष्टि The Vision

1. आरंभिक चालुक्यों के अधीन मंदिर स्थापत्य ने प्रायद्वीप में उत्तरकालीन मंदिरों के लिये मूल प्रतिरूप विकसित किये। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Temple architecture under the Early Chalukya developed fundamental prototypes for later temples in the peninsula. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चालुक्य वंश दक्षिण भारत में महान राजवंश था, जिन्होंने 6वी और 12वी शताब्दी के दौरान शासन किया।

आरम्भिक चालुक्यों ने मंदिरों का निर्माण पत्थर काट कर बनाना शुरू किया, जिनमें शुरूआत में बादामी गुफा का निर्माण किया गया। जिसमें शिवजी, विष्णु भगवान की मूर्ति का प्रयोग किया।

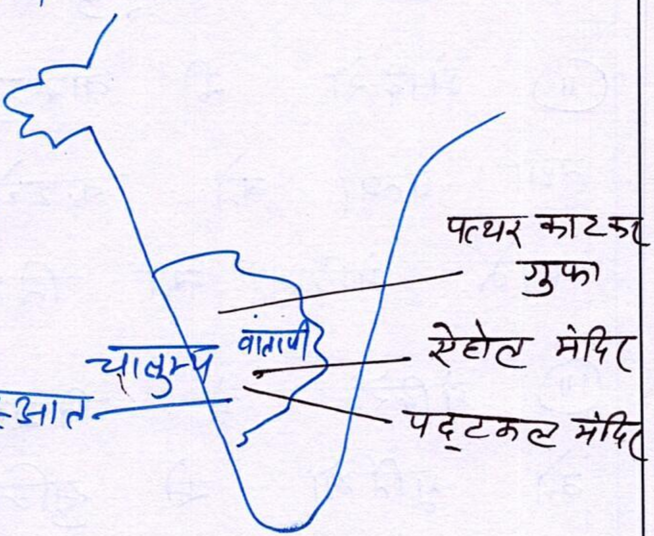

→ चालुक्यों का पट्टकल मंदिर इनकी वास्तुकला का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है।

→ विरुपाक्ष मंदिर तथा पट्टकल मंदिर भी उल्लेखनीयता से चालुक्यों की वास्तुकला का स्वर्ण युग दिखाते है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्तरकालीन मंदिरों के लिए प्रतिरूप

(i) मंदिरों मे वेसर शैली का प्रयोग किया जाने लगा जो नागर शैली तथा द्रविड़ का मिश्रण था।

eg – राष्ट्रकूटों की।

(ii) मंदिरो की वास्तुकला मे गुफा मंदिर तथा पत्थर को कच्चे माल की तरह प्रयोग करके मंदिर का निर्माण होने लगा।

(iii) मंदिरों मे विशाल गोपुरम् तथा मंदिरो को मूर्तियों से सुज्जित किया गया।

(iv) मंदिर आर्थिक व्यवस्था के द्योतक होने लगे।

(v) मंदिरों के विन्यास मे लकड़ी का प्रयोग भी चालुक्यों की देन है।

(vi) मंदिरों की कलात्मकता, विशिष्टात्मक के लिए चालुक्यों का योगदान है।

चालुक्य मंदिर निर्माण मे दक्षिण भारत का स्वर्ण काल माना जाता है तो स्वभाविक है इसका प्रभाव तथा अभिप्रेरणा आज भी पड़ता है।

2. विभिन्न विचारधाराओं का उदय भारतीय मध्यकालीन इतिहास की सबसे उल्लेखनीय विशेषता थी। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The most remarkable feature of the medieval period of Indian History was the emergence of various schools of thoughts. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संक्रमणकाल में विभिन्न प्रथाओं का समामेलन होता है तथा नई विचारधाराओं का उत्पन्न होता है, जो सामान्यत: उत्कृष्ट होती है।

① सूफी विचारधारा

ये इस्लामी निर्गुण खुदा के विपरीत खुदा के साथ प्रेम का संबंध स्थापित करते थे। वे संगीत के माध्यम से खुदा प्राप्ति के लिए इश्क मजाजी से इश्क हकीकी की यात्रा पर बल देते थे। साथ ही सभी लोगों को समावेशित भी करती थी।

Ex. जायसी, मुल्ला दाउद इत्यादि।

इन्होंने सूफी साहित्य की भी रचना की। जिसमे जायसी की पद्मावत तथा मुल्ला दाउद की चंदायन प्रमुख थी।

② वरकरी → महाराष्ट्र के क्षेत्र मे भगवान विष्णु

drishti | दृष्टि The Vision

की आराधना के लिए इस विचारधारा का निर्माण हुआ।

जिसके प्रमुख संत तुकाराम, पीपाराम थे।

③ भक्ति आंदोलन

ब्राह्मण धर्म मे फैल रही कुरीतियाँ जैसे जाति भेदभाव, शूद्र के साथ अन्याय, जानवर बलि इत्यादि के विरोध मे इसकी स्थापना हुई। जिसके प्रमुख संत वल्लभाचार्य, मध्वाचार्य, शंकराचार्य थे

④ अद्वैतवेदान्त

शंकराचार्य ने इसकी स्थापना की, जगत को मिथ्या माना तथा ब्रह्म को एकलित माना। यह उपनिषद से प्रभावित था।

⑤ अलवार तथा नयनार

अलवार विष्णु के उपासक थे, नयनार विष्णु के उपासक थे

⑥ बसवन्ना की विचारधारा

कर्नाटक क्षेत्र मे जाति व्यवस्था के विरुद्ध यह विचार धारा उत्पन्न हुई जो सुधार से संबंधित थी।

विभिन्न विचारधाराओं के प्रभाव से वैविध्यपूर्ण समाज का निर्माण हुआ जिसमें कुरीतियों पर चोट की गई।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

3. वैश्वीकरण से संबंधित आर्थिक परिवर्तनों ने भारतीय परिवारों में जेंडर भूमिकाओं के पुनर्मूल्यांकन में योगदान दिया है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The economic changes associated with globalization have contributed to a reevaluation of gender roles within Indian families. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण सामाजिक-आर्थिक रूप से एकीकरण, संचयन की भावना है जिसमें एक क्षेत्र में हुए परिवर्तन का प्रभाव दूसरे क्षेत्र पर पड़ता है। वैश्वीकरण के कारण जेंडर भूमिकाओं के मूल्यांकन में परिवर्तन किया है-

वैश्वीकरण : आर्थिक परिवर्तन

- House wife से Home maker का सफर।
- महिलाओं के लिए श्रम बल में भागीदारी [PLFS- 38%]
- महिलाओं तथा पुरुषों दोनों रोजगार में एक साथ।
- महिलाओं की आर्थिक भागीदारी में वृद्धि
- रोजगार के संसाधनों में वृद्धि।

जेंडर भूमिकाओं के पुनर्मूल्यांकन

(i) महिलाओं की आर्थिक भागीदारी से सामाजिक निर्णय निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है।

(ii) महिलाओं के मुद्दे पर पुरुष तथा महिला सभी

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आवाज उठाते है।

(3) पुरुष भी बच्चों का ख्याल, खाना बनाना इत्यादि काम करने लगे है।

(4) महिलाओ का आर्थिक भागीदारी के कारण प्रवासन हो रहा है जिससे परिवार की जिम्मेदारी पुरुष के हाथों मे आई है।

(5) पुरुष का House Husband की तरफ शिफ्ट हुआ है।

(6) महिलाओ की समस्याएँ केन्द्र मे आई है।

(7) transgender को वैश्वीकरण के कारण मान्यता मिली है।

हालांकि वैश्वीकरण के बाद नई भूमिकाएँ समान ही है_

(i) महिलाओं पर कार्य का तथा परिवार का दोहरा बोझ।

(ii) रूढ़िवादी परिवार मे महिलाओ के परामर्श पर विचार नही किया जाता है।

(iii) शादी के बाद महिलाओं की नौकरी छूट दी जाती है।

वैश्वीकरण ने महिला तथा पुरुष दोनो को सशक्त बनाया है लेकिन इसकी नकारात्मक महिलाओं मे सर्वाधिक है।

drishti | दृष्टि The Vision

4. चर्चा कीजिये कि किस प्रकार भूमि-उपयोग परिवर्तन और जलवायु परिवर्तन के संयुक्त प्रभाव से सभी वैश्विक क्षेत्रों में जैव विविधता की हानि हो रही है। (150 शब्द) 10

Discuss how combined effects of land-use change and climate change are leading to biodiversity loss across all global regions. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

IPCC की रिपोर्ट के अनुसार पृथ्वी का तापमान 2100 ई. तक लगभग 3°C तक बढ़ जाएगा ~~तथा~~ जिससे जैव विविधता मे काफी नुकसान होगा। वही भू-उपयोग परिवर्तन से भी जैव विविधता प्रभावित होगी।

Ex → बेंगलोर मे wetland की जगह अतिक्रमण का कृषि (भू-उपयोग परिवर्तन), जलवायु परिवर्तन के कारण सूखा आवृत्ति बढी और जैव विविधता की हानि।

भू-उपयोग परिवर्तन	जलवायु परिवर्तन
① भू-संसाधनों की उर्वरता प्रभावित।	① लगातार बढता तापमान।
② भू संसाधनो पर कटाई करके सूक्ष्म कृषि को बढ़ावा	② GHG उत्सर्जन मे बढोत्तरी
③ वनों का प्रयोग औद्योगिक प्रदेशों मे करना	③ समुद्री जल स्तर मे वृद्धि
④ आर्द्रभूमि का अतिक्रमण	④ बर्फ का पिघलना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भू- उपयोग + जलवायु परिवर्तन	से	सभी वैश्विक क्षेत्रों से जैव विविधता हानि

① उष्ण कटिबंधीय वर्षा वनों की आग के प्रति सुभेद्यता बढ़ी है जिससे जैव विविधता की हानि होती है।

② समुद्री प्रदूषण की मात्रा बढ़ सकती है जिससे कोरल, समुद्री जैव विविधता को नुकसान हो सकता है।

③ भू- उपयोग परिवर्तन से नकारात्मक परिणाम शुरू होते है, इसकी आवृत्ति जलवायु परिवर्तन बढ़ाता है।

④ पर्यावरणीय चक्र प्रभावित होते है जिससे पोषण चक्र बिगड़ जाता है।

⑤

कुछ उपाय:
- UNCCD को बाध्यकारी बनाना
- विकसित देशों द्वारा CBRD सिद्धान्तों का अनुपालन
- Land degradtion atlas के अनुसार भू-उपयोग परिवर्तन पर कार्रवाई
- COP-28 तथा UNFCCC को प्राथमिकता।

जैव विविधता की हानि सभी मानवों तथा जीवों के लिए हानिकारक है, अतः अनुकूलन तथा शमन की नीति अपनानी चाहिए।

5. भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान जनजाति समुदायों द्वारा अनुभव किये गए सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों का परीक्षण कीजिये। चर्चा कीजिये कि इन प्रभावों ने जनजातियों के बीच विभिन्न प्रकार के प्रतिरोध और अनुकूलन को कैसे उत्पन्न किया। (150 शब्द) 10

Examine the socio-economic changes experienced by tribal communities during British colonial rule in India. Discuss how these impacts led to various forms of resistance and adaptation among the tribes.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाना था, इसी कारण भारत की जनजातियों, किसानों, श्रमिकों पर सामाजिक तथा आर्थिक प्रभाव पड़ा।

जनजाति समुदाय द्वारा अनुभव सामाजिक तथा आर्थिक परिवर्तन

सामाजिक	आर्थिक
① सामाजिक मान्यताओं में हस्तक्षेप।	① वनाधिकारों का हनन हुआ।
② सामाजिक प्रथाओं पर कानून बनाए गए।	② forest produce की कीमत काफी कम कर दी गई।
③ धार्मिक मान्यताओं जैसे बलि पर चोट पहुँचायी गई।	③ निर्धनता तथा गरीबी के स्तर में वृद्धि हुई।
④ महिलाओं की स्थिति को और बेहतर कर दिया।	④ निर्यातित वस्तु के दाम घटे तथा आयातित के बढ़े।
⑤ खाद्य कुपोषण, बीमारी प्रकोप का प्रभाव बढ़ा।	

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इन प्रभावों ने जनजातियों के बीच प्रतिरोध तथा अनुकूलन को प्रभावित

→ छोटा नागपुर क्षेत्र में संथाल, कोल, मुंडा विद्रोह उत्पन्न हुए जिसमें बिरसा मुण्डा का विद्रोह महत्वपूर्ण था जो जनजातीय प्रथाओं को दुबारा स्थापित कर रहे थे।

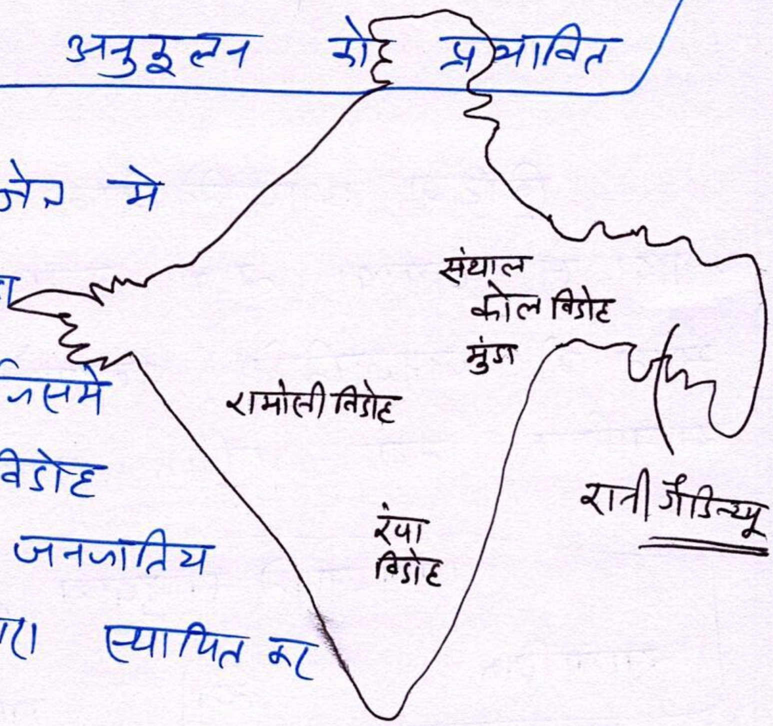

→ महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट में रामोसी विद्रोह भू-अधिकार तथा कर की प्रथा के कारण शुरू हुआ।

→ आंध्र प्रदेश के क्षेत्र में रंपा विद्रोह शुरू हुआ।

→ सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान रानी गाइडिन्ल्यू के द्वारा अंग्रेजों का विरोध भी प्रमुख था।

जनजातियों ने सामाजिक-आर्थिक सुधार के लिए स्व को महत्व दिया, अंग्रेजों के अनावश्यक हस्तक्षेप पर रोक लगाने पर बल दिया।

6. राजनीतिक राष्ट्रवाद को अग्रेषित करने के लिये भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस की स्थापना प्रांतीय संगठनों के कार्य के कारण लोगों की राजनीतिक और सांस्कृतिक जागृति का परिणाम थी। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

The foundation of the Indian National Congress to advance political nationalism was the result of a political and cultural awakening of the people due to work of provincial organizations. Analyse.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

7. महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत ने महाद्वीपों और महासागरों के वितरण की हमारी वर्तमान समझ को किस प्रकार प्रभावित किया है? प्लेट विवर्तनिकी और भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के आलोक में इसका परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

How has the Continental Drift theory influenced our current understanding of the distribution of continents and oceans? Examine within the framework of plate tectonics and geological processes.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अल्फ्रेड वेगनर ने 1915 मे महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धान्त को प्रतिपादित किया कि पृथ्वी की सतह का एक भाग क्षैतिज गति करने मे सक्षम है जिससे महाद्वीपीय गति करने में सक्षम हो।

बल — पॉलर फ्लीइंग बल। ज्वारीय बल।

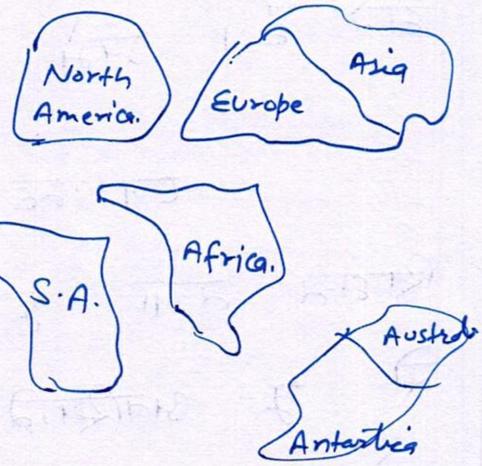

महाद्वीपीय विस्थापन ने महाद्वीपीय साम्यताओं जैसे दक्षिणी अमेरिका तथा Africa मे दिखाया गया। वहीं

plate tectonic सिद्धान्त के अनुसार प्लेट एक दूसरे के पास आना घनत्व के

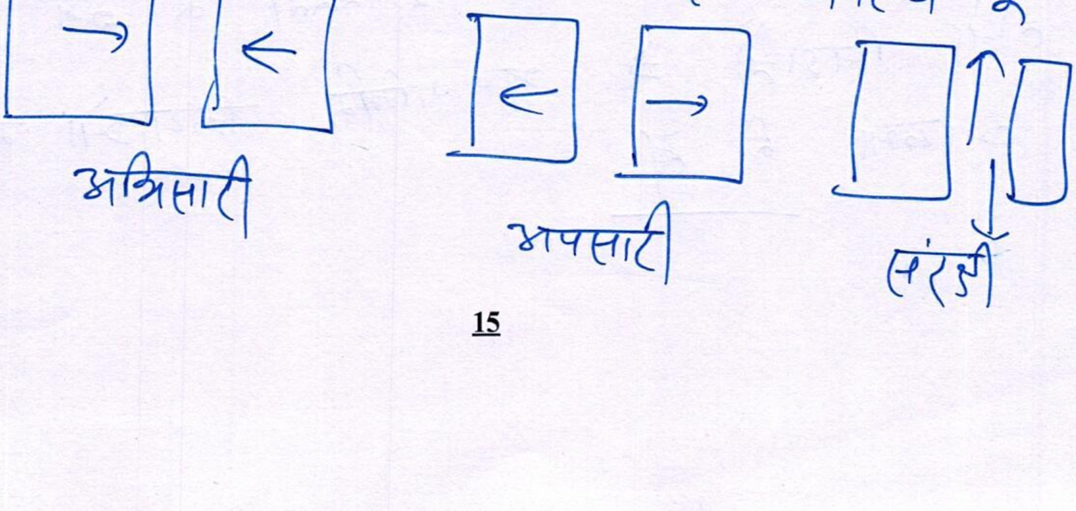

अनुसार एक दूसरे के नीचे क्षेपित हो जाती है और भाग दूर जाती है तो वहाँ भ्रंश का निर्माण होता है।

भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओ से समझ सकते पाते है जहाँ अभिसारी तथा संरक्षी प्लेटे ज्वालामुखी तथा भूकम्प के प्रति संवेदनशील होते है। उनमे ज्यादा गतिविधि होती है।

हम कह सकते है कि प्लेट टेक्टोनिक्स सिद्धान्त तथा भू - वैज्ञानिक प्रक्रियाओ के माध्यम से भू- अवस्थिति की व्याख्या की जाती है। महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धान्त मे प्लेटो के लिए अप्रत्यक्ष रूप से दिखाया गया है।

विकास तथा वैज्ञानिकता के क्रम मे तीनो सिद्धान्तो ने भू- गर्भिक क्रियाओं की व्याख्या की है।

8. क्या आप इस बात से सहमत हैं कि जनसांख्यिकीय स्थिति ने भारत में संवृद्धि और विकास को चिंताजनक बना दिया है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

Do you agree that the demographic situation is weighing down growth and development in India? Illustrate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत मे वर्तमान मे माध्य उम्र 28.4 है, वही 26% जनसंख्या 14 वर्ष से नीचे है वही 67% जनसंख्या 15-59 के बीच है, वही लगभग 8% जनसंख्या वृद्ध है।

भारत की यह demograhlie situation मे NFHS 5 के अनुसार Replacement दर 2.0 आ गई है, जिसका प्रभाव यह होगा कि 2050 तक हर पाँचवा व्यक्ति वृद्ध होगा।

संवृद्धि तथा विकास को चिन्ताजनक

① वृद्धों की जनसंख्या बढ़ रही है, कार्यकारी जनसंख्या की उम्र घट रही है।

② जनसंख्या को उचित कौशल तथा शिक्षा, स्वास्थ्य प्रदान करने मे असमर्थता।

③ लगातार जनसंख्या मे फैल रही असमानता।

Ex - oxfarm Report

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(4) महिलाओं का कौशल विकास में कम भागीदारी होना।

(5) कार्यकारी जनसंख्या में कमी।

यह जनसंख्या वृद्धि या demographic situation लाभदायक हो सकती है

(i) जनसंख्या को उचित श्रम कौशल, शिक्षा स्वास्थ्य सुविधा प्रदान की जानी चाहिए जिससे सामाजिक पूँजी का निर्माण हो।

(ii) वृद्धों की अर्थशास्त्र को सामाजिक सुरक्षा तथा silver dividend से जोड़ना चाहिए

(iii) demographic dividend महिलाओं के लिए भी समावेशी होनी चाहिए।

अतः सबका साथ सबका विकास को आगे बढ़ाते हुए demographic को लाभांश में बदला जाना चाहिए।

9. तीव्र वैश्वीकरण तथा प्रतिभा के लिये तीव्र प्रतिस्पर्द्धा के संदर्भ में भारत में प्रतिभा पलायन (ब्रेन ड्रेन) की घटना से उत्पन्न चुनौतियों का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Examine the challenges posed by the phenomenon of brain drain on India in the context of rapid globalization and intense competition for talent. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण के कारण विश्व global village में परिवर्तित हो गया है जिससे प्रतिभा का तीव्र पलायन होता है।

Brain drain के कारण

(i) उचित परिस्थितियाँ न मिलना।

(ii) वेतनमान में कमियाँ।

(iii) भारत मे कानूनों का जटिल विनियमन।

(iv) अवसरों में कमी।

(v) विकास के अवसर नही।

ब्रेन ड्रेन के कारण उत्पन्न चुनौतियाँ

(i) आर्थिक तकनीकी विकास न होपाना।

(ii) नवाचारी संस्कृति का विकास न होना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(iii) सामाजिक- आर्थिक विकास न होना।

(iv) विकसित देशों का अधिक विकास जिससे नव उपनिवेशवादवादी विचारधारा को बढ़ावा।

(v) लोगों की मनोवृत्ती मे बदलाव नही।

(vi) विकास के अवसर न के बराबर

क्या किया जाए

- ↑ अवसर उपलब्ध करवाए जाए।
- ← वेतनमान मे वृद्धि की जाए।
- → वैज्ञानिकों के प्रति अच्छी मनोवृत्ती का विकास
- ↓ अवसंरचना तथा तकनीकी जुगाड़ों को बढ़ावा।

ब्रेन ड्रेन की समस्या से निपटान करके भारत आर्थिक समृद्धि प्राप्त कर सकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

10. भारत में 19वीं शताब्दी के सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों ने धर्मनिरपेक्ष एवं तर्कसंगत सामाजिक लोकाचार की स्थापना में किस सीमा तक योगदान दिया है। मूल्यांकन कीजिये। इस क्रम में इनके द्वारा सामना की गई रूढ़िवादी शक्तियों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Evaluate the extent to which 19th-century socio-religious reform movements in India contributed to the establishment of a secular and rational social ethos. Discuss the challenges they faced from conservative forces. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सामाजिक - धार्मिक सुधार आंदोलनों ने भारतीय लोगों को नवजागरण तथा तर्क-संगतता से जोड़ा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
दृष्टि The Vision

11. स्थापत्य के दृष्टिकोण से विजयनगर साम्राज्य में सदियों पुरानी द्रविड़ मंदिर वास्तुकला के साथ पड़ोसी सल्तनतों की इस्लामी शैलियों का संश्लेषण देखा जाता है। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Architecturally, Vijayanagar synthesizes the centuries-old Dravida temple architecture with Islamic styles demonstrated by the neighboring sultanates. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विजयनगर साम्राज्य 13वी शताब्दी में स्थापित हुआ था जो आधुनिक कर्नाटक मे तुंगभद्रा नदी तथा कावेरी नदी के बीच था। इनका स्थापत्य द्रविड़ मंदिर वास्तुकला तथा पड़ोसी सल्तनतों की इस्लामी शैलियों से प्रभावित था।

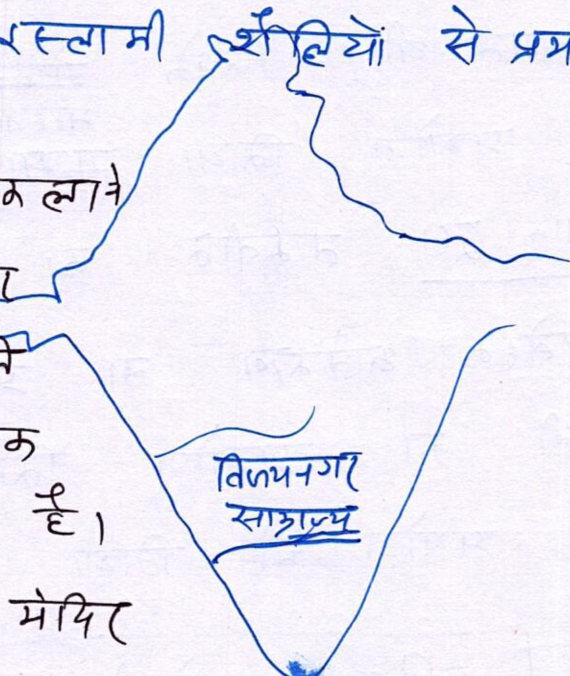

द्रविड़ मंदिर वास्तुकला ने पल्लवकला में से शुरु होकर चोल काल में परिणीति प्राप्त की, जिसमें एक मुख्य गर्भगृह होता है। एक मुख्य मंदिर के मंदिर आमलक की स्थापना की जाती है तथा मंदिर की दीवारों को उत्कीर्णित किया गया था। साथ ही गोपुरम को भव्य बनाया गया था। इसके निर्माण मे लकड़ी, ईंट, पत्थर का प्रयोग किया था।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इसके साथ ही द्रविड़ कला के मंदिर मे मूर्तियाँ काफी भव्यता से सुज्जित थी। मंदिरों का निर्माण आयातामार तथा वर्गाकार शैली मे था।

विजयनगर के पास पड़ोसी सल्तनत के रूप मे बरार, निजामशाही, युसुफशाही आदि उपस्थित थी, जिनके ~~मंदिर~~ मस्जिद निर्माण मे गुम्बद का प्रयोग किया गया। सुन्दरता के लिए पित्रा- दुरा तकनीक का प्रयोग किया। साथही अरबेस्क अलंकरण का प्रयोग किया गया। चारबाग शैली का प्रयोग किया गया। मीनारों का प्रयोग भी किया गया था।

द्रविड़ + पडोसी सल्तनत = विजयनगर

① द्रविड़ शैली की भाँति मंदिरो को आयताकार तथा वर्गाकार बनाया गया। जिसमें सुन्दरता के लिए कई मूर्तियों का निर्माण किया गया। वही फूल- पत्तियों का भी प्रयोग किया गया।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हम्पी के मंदिर

② घोड़े की आकृति को मंदिर पर उत्कीर्णित किया गया। साथ ही पिएत्रा-ड्यूरा तकनीकी का भी प्रयोग किया गया।

③ गर्भगृह के ऊपर आमलक की स्थापना तथा मंदिर निर्माण के लिए पंचायतन शैली का प्रयोग किया गया था।

④ मंदिरों को चार-बाग शैली में निर्मित किया गया था।

⑤ पानी का प्रयोग कई-कई मंदिरों में किया गया था।

⑥ मंदिरों में गोपुरम का निर्माण किया गया था जो उत्कृष्टता का स्तर दिखाता है।

उदाहरण →
- चेन्नकेशव के मंदिर
- हम्पी के मंदिर
- बालकृष्ण मंदिर
- विट्ठल मंदिर

विजयनगर साम्राज्य मंदिर वास्तुकला का उत्कृष्ट मानक था, जो द्रविड़ तथा पड़ोसी सल्तनत से काफी हद तक प्रभावित था।

12. सदियों से विकसित, भारत के विविध नृत्य रूप देश के विभिन्न भागों में अपनी विशिष्ट शैलियों में विकसित हुए हैं और संबंधित क्षेत्र की संस्कृति का प्रभाव पड़ने के साथ इनमें से प्रत्येक की अपनी अलग विशेषता है। चर्चा कीजिये। इसके साथ ही भारतीय लोगों के धार्मिक एवं सामाजिक जीवन के संदर्भ में इनकी भूमिका पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

Nurtured for centuries, dance in India has evolved in different parts of the country in its own distinct style, taking on the culture of that region and each acquiring its own flavor. Discuss. Also, highlight its significant place in religious and social life of the Indian people. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कोई भी जगह का लोकनृत्य तथा शास्त्रीय नृत्य उस जगह की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, वेशभूषा तथा संस्कृति को दिखाता है।

→ नृत्यों का संस्कृति पर प्रभाव पड़ता है। यह अपनी विशिष्टता के साथ आता है।

→ नृत्य उस जगह की सांस्कृतिक एकता को दिखाता है।
जैसे- वैष्णवाद से प्रभावित असम का सत्रियनृत्य।

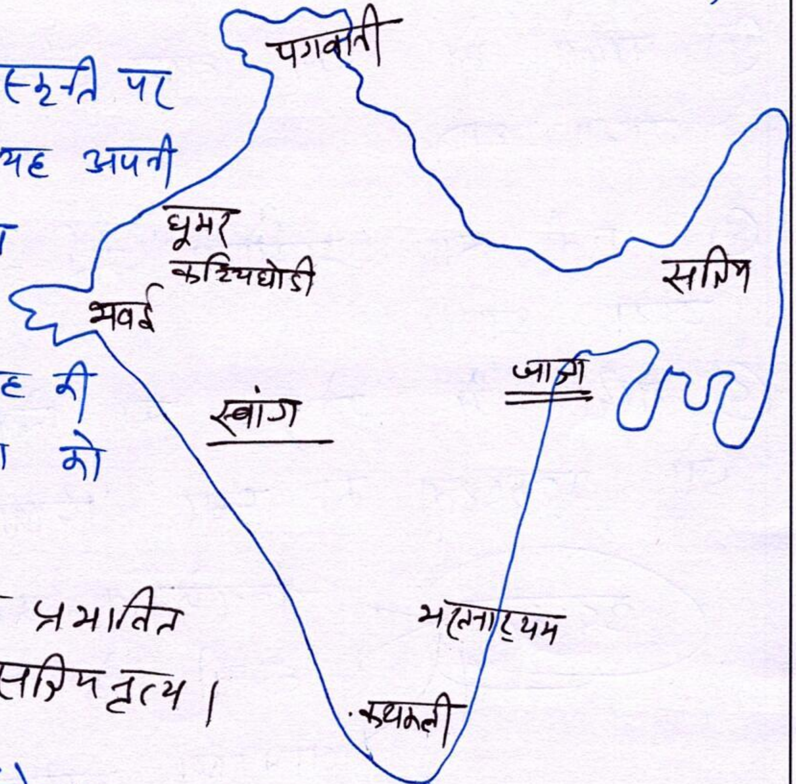

→ शास्त्रीय नृत्यों जैसे कथकली, भरतनाट्यम मे पुरानी देवदासी प्रथा तथा रागों के साथ समायोजन दिखता है।

विशिष्ट नृत्य → ढोल के साथ

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

→ नृत्यों मे संस्कृति का प्रभाव इस तरह पड़ा है कि वेशभूषा, घूँघट प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियाँ भी नृत्य मे दिखती है।

उद- राजस्थान का घूमर नृत्य

→ नृत्य मे क्षेत्र विशेष के पशु-जीव इत्यादि सभी एकीकृत हो जाते है।

उद- कच्ची घोड़ी नृत्य मे घोड़ी तथा ऊँट का प्रयोग राजस्थान में।

→ नृत्य को मनोरंजनपरक के रूप मे प्रयोग किया जाता है, वह वहाँ की सामाजिक एकता तथा विशिष्टता को दिखाता है।

→ नृत्य के द्वारा लोगो मे प्राकृतिक संसाधनो के प्रति प्रेम तथा जागरूकता को जनजातियो ने दिखाया है।

→ धार्मिक विशिष्टता तथा प्रकृति पूजन जैसी प्रथाओं को नृत्य में शामिल किया गया है।

→ नृत्य को क्षेत्र विशेष की राजनीतिक- सांस्कृतिक स्थितियों को उत्पाद कहा जा सकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नृत्य की सामाजिक तथा धार्मिक जीवन में भूमिका

(i) नृत्य को सभी के द्वारा किए जाने से सामाजिक एकता का बोध होता है।

(ii) सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध नृत्य का प्रयोग किया जा सकता है।

(iii) सामाजिक प्रभाव के रूप में कुरीतियों के प्रति जागरूकता तथा प्रकृति प्रेम को दिखाया जा सकता है।

(iv) नृत्य में महिलाओं की भूमिका मजबूत होती है।

(v) धार्मिक जीवन मे धर्म की पराकाष्ठा को व्यक्त किया जा सकता है।

(vi) धर्म का नृत्य के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जा सकता है।

(vii) नृत्य से धार्मिक गतिविधियों पर कटाक्ष किया जा सकता है।

नृत्य सामाजिक- सांस्कृतिक स्थितियों का द्योतक होता है। यह क्षेत्रवाद के प्रभाव से विशिष्ट शैलियों मे निर्मित हुआ है।

13. क्या आपको लगता है कि विभिन्न क्षेत्रों एवं राज्यों के बीच असमानताओं को कम करने से भारत में राष्ट्रवाद को मज़बूती मिल सकती है? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिये। (250 शब्द) 15

Do you think reducing disparities among regions and states can strengthen nationalism in India? Justify your answer. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ऑक्सफैम की असमानता रिपोर्ट के अनुसार लगभग 1% जनसंख्या भारत की 45% GDP मे योगदान करती है। यह असमानता सिर्फ आर्थिक ही नही सामाजिक आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक इत्यादि भी है

विभिन्न क्षेत्रो मे असमानता

(i) बिहार, उत्तरप्रदेश, पश्चिमबंगाल इत्यादि बीमारू प्रदेश।

(ii) कई राज्यों मे जनजातिय आबादी ज्यादा जिनका मुख्य धारा से जुड़ाव नही।

(iii) SGDP (State Gross domestic product) गोवा का सर्वाधिक होना।

(iv) Himachal pradesh (MLA) मे महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व 18% होना, वही लक्षद्वीप मे 5% से भी कम है

(v) सामाजिक संकेतक मे असमानता।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

असमानता को कम करने से राष्ट्रवाद मजबूत

(i) सभी लोगों का आर्थिक एकीकरण से एक राष्ट्रवाद की भावना मजबूत होगी।

(ii) सभी का समावेशी विकास सुनिश्चित होगा।

(iii) विकास सिर्फ देश का नही, वर्गगत होगा जैसे महिलाओ, वृद्धो का।

(iv) स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल आधारित सामाजिक पूँजी पर बल।

(v) राष्ट्र के पिता माता या पिता की भावना मजबूत होगा।

(vi) शासन मे कल्याण की भावना बढने से जनभागीदारी में वृद्धि होगी।

(vii) क्षेत्रीयता की जगह राष्ट्रीयता मजबूत होगी।

असमानता को कम करने का प्रयास

(i) 5वी अनुसूची। 6वी अनुसूची तथा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विशेष राज्य दर्जे का प्रयोग करके आर्थिक हितों मे वृद्धि की है।

(ii) नीति आयोग, वित्त आयोग, राष्ट्रीय एकता परिषद के द्वारा मजबूती प्रदान करना।

(iii) सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार तथा 73/74वाँ संविधान संशोधन से राजनीतिक समानता स्थापित करना।

(iv) आकांक्षी जिला / ब्लॉक कार्यक्रम क्षेत्रीय आधार पर नीतियों को मजबूती प्रदान करते है।

(v) भू-सुधार के लिए प्रयास किया है।

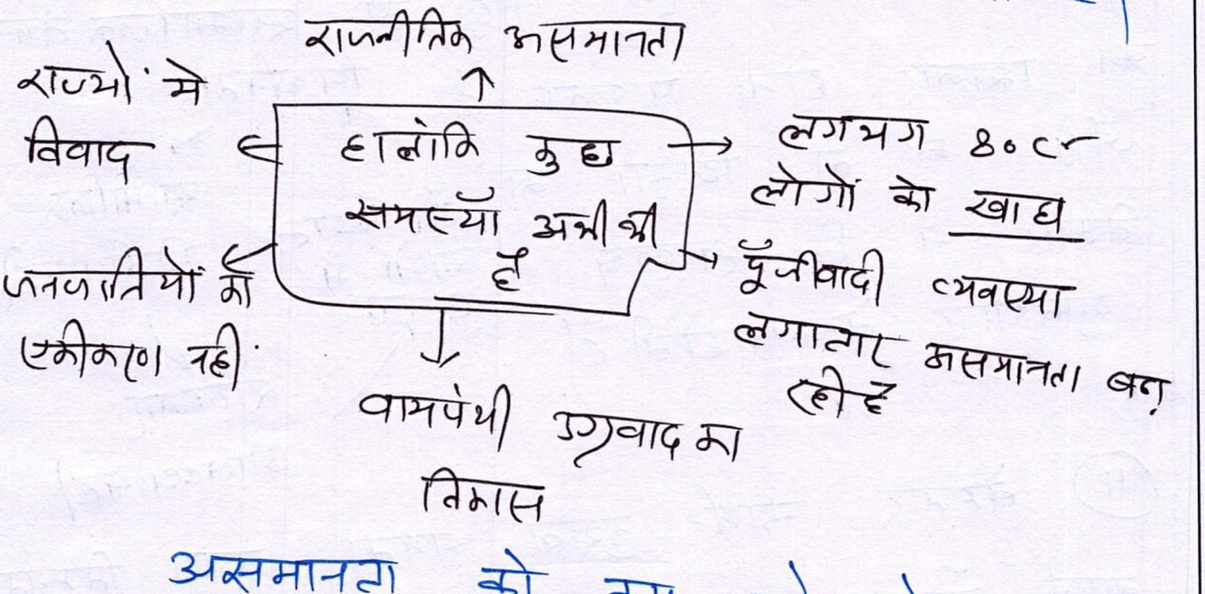

असमानता को कम करके देश संधारणीय विकास के लक्ष्य की तरफ प्रगतिशील होगा जो सबका साथ सबका विश्वास की ओर है।

14. भारत में निर्धनता के अंतर-पीढ़ीगत संचरण पर चर्चा करते हुए इसके समाधान हेतु उपाय बताइये। (250 शब्द) 15

Discuss inter-generational transmission of poverty in India and give recommendations that could be considered useful to combat it. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नीति आयोग के बहुआयामी निर्धनता सूचकांक के कारण भारत मे अब भी लगभग 11 cr से अधिक लोग निर्धन है। भारत मे यह निर्धनता अंतर- पीढीगत काफी अधिक है।

निर्धनता का अंतर - पीढीगत संचरण

(I) निर्धनता के कारण पीढी को सामाजिक वंचन का शिकार होना पड़ता है जैसे- न तो शिक्षा का विकास, न ही स्वास्थ्य सुविधाएँ बेहतर होती है।

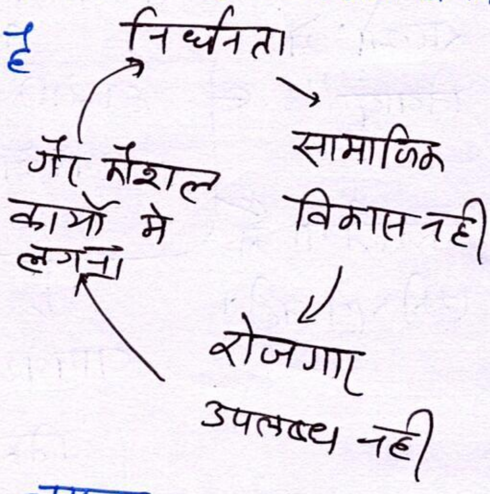

(II) बेहतर कार्य- कुशल क्षमता तथा निम्नतर कार्य कौशल से आर्थिक संवर्द्धन नहीं हो पाता है जो गरीबी का कारण बनता है।

(III) कुपोषण की पीढीगत ~~स्थान~~ अंतरण बनी रहती

है जिस पर UNICEF ने भी कहा है।

(iv) महिलाओं के लिए शोषण परक व्यवस्था का चित्र दिख रहा है जैसे पीढ़ीगत संचरण होता है।

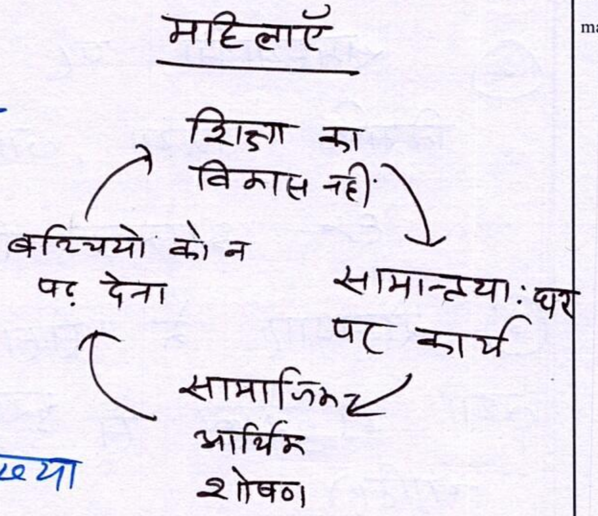

(v) निर्धनता ग्रस्त जनसंख्या के पास सामाजिक सुरक्षा का अभाव होता है।
Ex- ILO की रिपोर्ट → 8% सामाजिक संरक्षण।

(vi) पीढ़ियों का लगातार निर्धनता मे बने रहने से सामाजिक मनोवृत्ति का विकास न होना।

(vii) पीढ़ियों के पास जागरूकता का विकास न होना।

निर्धनता के अंतर-पीढ़ीगत संचरण के समाधान के उपाय

(i) निर्धन लोगों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए, जिसमें स्वास्थ्य,

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शिक्षा तथा कौशल विकास पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

② समस्याओं पर आधारित योजनाओं का निर्माण किया जाना चाहिए।

Eg - आकांक्षी जिला / ब्लॉक कार्यक्रम।

③ रोजगार के संसाधनों मे वृद्धि की जानी चाहिए तथा अकुशल से कुशल श्रमिक की तरफ आगे बढ़ना चाहिए।

④ सामाजिक सुरक्षा को महत्वत्ता से आगे लाना चाहिए।

⑤ बच्चों को नियमित रूप से गरीबी के प्रति मनोवृत्ति के रूप से मजबूत किया जाना चाहिए।

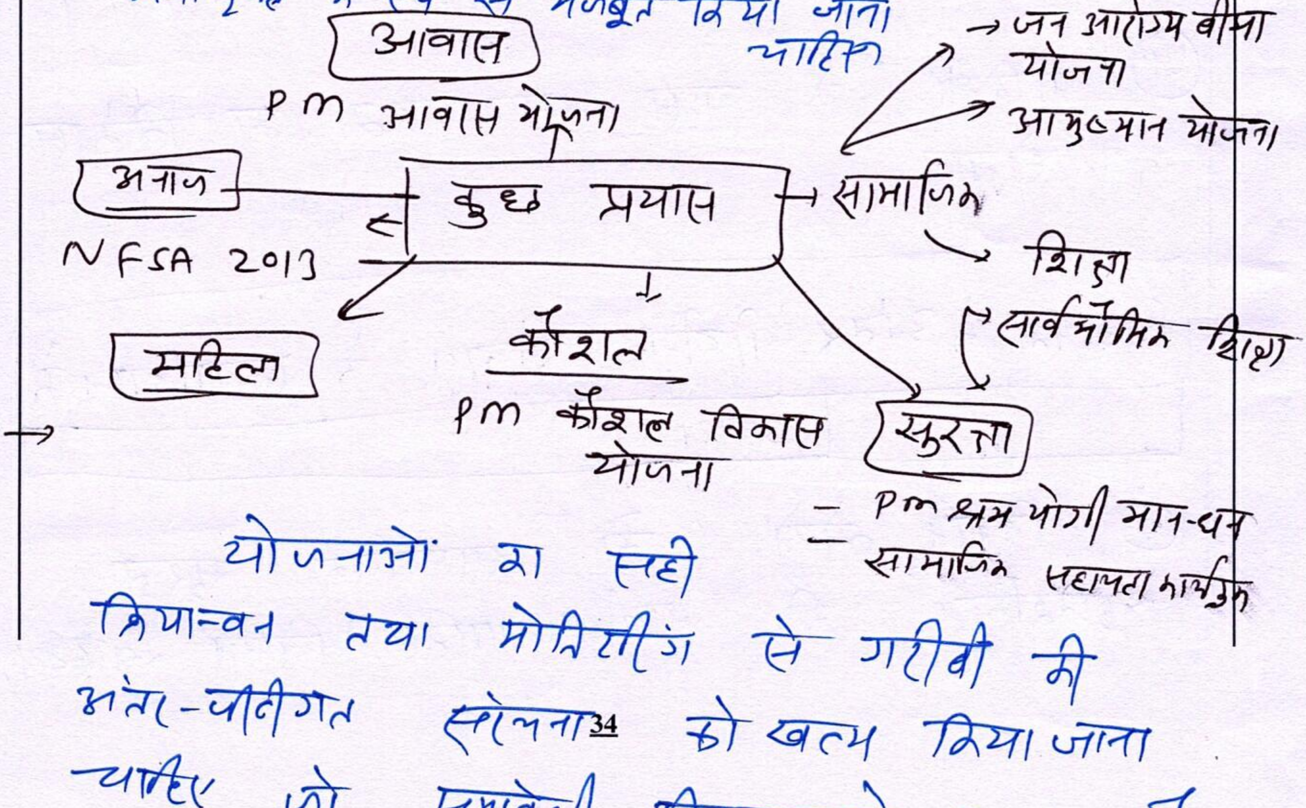

योजनाओं का सही क्रियान्वन तथा मोनिटरींग से गरीबी की अंतर-पीढ़ीगत समस्या को खत्म किया जाना चाहिए जो समावेशी विकास के अनुकूल हो।

15. क्रांतिकारी आंदोलनों को अक्सर फ्रिंज एलिमेंट्स के रूप में देखा जाता है। स्वतंत्रता संग्राम के व्यापक संदर्भ में इनकी भूमिका का आकलन कीजिये। (250 शब्द) 15

Revolutionary movements are often seen as fringe elements. Assess their place in the larger narrative of the freedom struggle. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत मे क्रांतिकारी आंदोलन २०वी सदी के शुरुआत मे भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के एक क्रांतिकारी पहलू के रूप मे उभरा। इसके दो चरण माने जाते है

- प्रथम विश्व युद्ध से पहले
  - स्वदेशी आंदोलन के समय
  - बंगाल मिदनापुर
- प्रथम विश्व युद्ध के बाद
  - पंजाब, महाराष्ट्र मे फैला

क्रांतिकारी आंदोलन को फ्रिंज एलिमेन्ट्स

(i) क्रांतिकारी आंदोलन काफी सीमित जगह तक उपस्थित थे।

(ii) क्रांतिकारी गतिविधियो का प्रभाव ज्यादा लोगों को नहीं जोड़ सके। वस्तुतः पूँजीपति इससे दूर रहे।

(iii) क्रांतिकारियों की गतिविधियों की सजा का भुगतान

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

क्रांतिकारी न रहके सामान्य जनता रहती थी)

(iv) क्रान्तिकारी सिर्फ आर्थिक समस्याओं तक सीमित थे)

(v) साधन- साध्य की पवित्रता को क्रांतिकारी नकारते थे)

(vi) क्रान्तिकारी लगातार युद्ध- संघर्ष की बात करते थे)

क्रान्तिकारियों को fringe element कहना वास्तविक रूप से पूर्णतः सत्य नही है उन्होंने अनेक प्रकार से आंदोलन मे योगदान दिया -

(1) ब्रिटिश नीतियों का पुरजोर विरोध किया गया। उन्होने इनके विरोध मे जान तक गंवाई)

Eg - लाला लाजपत राय → साइमन कमीशन के विरोध में।

(2) ब्रिटिश सरकार के असहयोग तथा बहिष्कार की नीति पर बल)

(3) क्रांतिकारी गतिविधियों ने पूरे देश में राष्ट्रवाद का प्रसार किया)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(4) क्रांतिकारियों ने श्रमिक तथा किसानों के अधिकारों की वकालत की।

(5) क्रांतिकारी महिलाओं को भी नेतृत्व का अधिकार प्रदान करते थे।

(6) उनके द्वारा किए गए कृत्यों के विरोध मे सजा भी खुद ही ने भुगती।

Ex - भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु का फांसी चढ़ जाना।

(7) भगत सिंह की हिन्दुस्तानी रिपब्लिक एसोसिएशन ने युवाओं को बम- पिस्तौल की राजनीति को छोड़ने का आग्रह किया था।

(8) ब्रिटिश सैन्य नीतियो, आर्थिक खजानों इत्यादि को काफी नुकसान हुआ।

(9) क्रांतिकारियों का लगातार डर अंग्रेजी सरकार को रहा है।

क्रांतिकारियो ने राष्ट्रवाद की भावना को प्रसार किया, जागरूकता लाई जिससे देश की स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त हुआ।

16. फुटलूज उद्योगों को अक्सर आर्थिक विकास के संभावित चालक के रूप में देखा जाता है। फुटलूज उद्योगों से संबंधित लाभों को अधिकतम करने के साथ इसमें निहित कमियों को दूर करने के उपायों पर चर्चा कीजिये।(250 शब्द) 15

Footloose industries are often seen as a potential driver of economic growth. Discuss measures to maximize the benefits and mitigate the drawbacks associated with footloose industries. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

फुटलूज उद्योग वे होते हैं जिनकी उपस्थिति कच्चे माल पर निर्भर नहीं करती है। वे कहीं भी स्थापित किए जा सकते हैं।

Ex → IT तथा Hardware Industry

फुटलूज उद्योग : आर्थिक विकास

(i) अक्सर ये उद्योग काफी तकनीकी प्रगति वाले होते हैं जिससे रोजगार की उत्पत्ति होती है।

(ii) इन उद्योगों से निर्यात को काफी बढ़ावा होता है।

(iii) तकनीकीकरण से देश का भी सशक्तिकरण होता है।

(iv) ये उद्योग निवेश को ज्यादा आकर्षित करते हैं।

(v) Technology transfer को बढ़ावा देते हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

(vi) तकनीकी कौशल विकास मे वृद्धि करती है।

(vii) Employment diversify भी करती है।

फुटलुज उद्योगों की कमियाँ

(i) ज्यादातर विकसित देशों तक सीमित या सीमित क्षेत्र मे विद्यमान।

(ii) ज्यादा कौशल की आवश्यकता होती है।

(iii) अवसंरचना विकास की जरूरत होती है।

(iv) व्यापार चैनलों मे विविधता चाहिए।

(v) असमानता को बढ़ावा मिल सकता है।

(vi) अकुशल श्रमिक को खतरा।

लाभों को अधिकतम करने के उपाय तथा उपरोक्त कमियाँ को दूर करना

(i) Ease of doing business मे सुधार

देश को व्यापार करने की सुगमता मे वृद्धि की जानी चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

② सप्लाई चेन विविधता को अपनाना चाहिए जिससे नए-नए बाजार उपलब्ध हो।

Ex- वियतनाम को mobile mkt मे भारत की तुलना मे लाभ।

③ अवसंरचनागत विकास को बढ़ावा तथा logistic cost को कम करना, जिससे फुटलुज उद्योगो को लाभ अधिकतम हो।

④ श्रम को कौशल बल युक्त करना चाहिए।

{ India Skills Report → only 45% employable graduates

⑤ उभरती तकनीको Industry 4.0, Metaverse, Big data इत्यादि को अपनाना।

⑥ निवेश के अनुकूल नीतियो का निर्माण।

FDI/FPI मे सुधार

कुछ प्रयास:
- Logistic policy
- 16 क्षेत्रों के लिए PLI योजना।
- FTA को प्राथमिकता
- Skill India मिशन

फुटलुज उद्योगो को बढ़ावा देकर संवृद्धि मे योगदान को बढ़ाना चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

17. भारतीय अर्थव्यवस्था में स्टार्टअप के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए इनके भौगोलिक संकेंद्रण का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Analyse the geographic concentration of the startup activity in India given its importance in the Indian economy. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत एक विकासशील देश है, यहाँ चीन तथा अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर स्टार्टअप इकोसिस्टम का विकास हुआ है।

स्टार्टअप का महत्व

(i) रोजगार प्रदान करना।

(ii) श्रमिक बल को कौशल प्रदान करना।

(iii) संसाधनों का उचित प्रयोग करना। Ex →

(iv) शिक्षा, स्वास्थ्य की सभी तक पहुँच।
Ex- Physics wallah

(v) महिलाओं तथा अन्य सुभेद्य वर्गों का सशक्तिकरण
Ex → Stand up India.

(vi) समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करना
Ex- Lenskart द्वारा चश्मा का।

(vii) आर्थिक गतिविधियों का संचालक।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(VIII) सामाजिक - आर्थिक जागरूकता तथा युवाओं में उद्यमिता की मनोवृत्ति प्रदान करना

Startup का भौगोलिक संकेद्रण

(I) कच्चे माल की उपस्थिति पर स्टार्टअप निर्भर करता है, यही कारण है कि Himachal pradesh medical Industry में आगे आया है

(II) श्रम की उपलब्धता द्वितीय मुख्य कारण है, जिससे सस्ते श्रम से उत्पादकता काफी ~~बढ़~~ बढ़ जाती है।

Ex> Tech Startup का गुरुग्राम तथा बैंगलोर में विकसित होना।

(III) बिजली की आपूर्ति भी मुख्य कारण है जिससे Startup ecosystem ज्यादातर शहरों में विकसित हुआ है।

(IV) बाजार की उपलब्धता भी startup के लिए मुख्य कारण है। जिससे सस्ती दर पर

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

व्यवसाय किया जा सके या सेवा आपूर्ति की जा सके)

Ex – physics wallah → कोटा में।

(v) व्यापार की सुलभता के कारण निर्यातित उद्योग ports के आस-पास विकसित होते हैं।

(vi) land acquistion के नियम जहाँ सही होंगे, वहाँ Startup जल्दी विकसित होंगे।

(vii) राज्यों के Startup के प्रति नीतियों का निर्माण भी भौगोलिक संकेंद्रण को प्रभावित करता है

Startup eco system को विकसित कर सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया जाता है इसके लिए निम्न प्रयास किए हैं-

प्रयास
- ↑ कुशल श्रम के लिए pm कौशल विकास योजना
- → Startup seed fund योजना
- ↓ Startup / Standup प्रयास
- ← Startup के लिए custom में छूट / tax में छूट

18. शीत युद्ध काल की नीतियों को आकार देने में राजनीतिक दर्शनों की भूमिका का विश्लेषण कीजिये। USA और USSR के बीच वैचारिक संघर्ष ने वैश्विक भू-राजनीति को किस प्रकार प्रभावित किया? (250 शब्द) 15

Analyze the role of political philosophies in shaping the Cold War era policies. How did the ideological conflict between the USA and the USSR affect global geopolitics? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

19. विस्फोटक एवं नि:सृत ज्वालामुखी उद्गार (Explosive and Effusive Volcanic Eruptions) से ज्वालामुखी क्षेत्रों की स्थलाकृति एवं भौमिकी को किस प्रकार आकार मिलता है? (250 शब्द) 15

How do explosive and effusive volcanic eruptions shape the topography and geology of volcanic regions? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ज्वालामुखी आकस्मिक रूप से पृथ्वी के भीतर हलचल से लावा का जमीन के ऊपर आ जाना होता है।

eg - कॉटापैक्सी ज्वालामुखी।

विस्फोटक एवं नि:सृत ज्वालामुखी उद्गार से ज्वालामुखी क्षेत्रों की स्थलाकृती एवं भौमिकी प्रभावित होती है

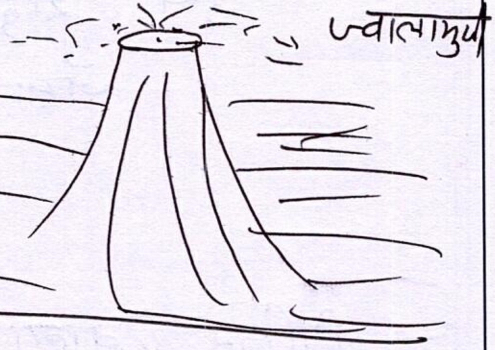

(अम्ल / क्षार)

(I) अम्लीय लावा का बहाव क्षारीय की तुलना मे कम होता है जिससे उनकी स्थलाकृति मे अंतर आता है।

(II) अम्लीय लावा को ठण्डा होने मे अधिक समय लगता है जिससे मंगुलता ज्यादा आती है, क्षारीय की तुलना मे

विस्फोटक : सतही विशेषता

→ **शील्ड ज्वालामुखी**

बेसाल्ट लावा के एक तरल प्रवाह से बनते है जिससे ये ज्वालामुखी ज्यादा ऊँचाई नही प्राप्त करते है। जब तक पानी वेंट मे प्रवेश नही करता है, विस्फोटकता कम होती है।

* मुख शंकु के शीर्ष आकार जैसा होता है।

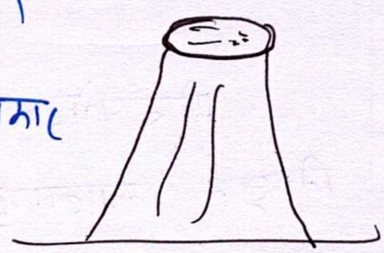

हवाई मन ज्वालामुखी

→ **मिश्रित ज्वालामुखी**

बेसाल्ट की तुलना मे अधिक लिपचिपा तथा ठण्डा लावा होता है। सामान्तया: वेंट के पास स्तरित संरचना पाई जाती है।

काल्डेरा के रूप मे ये विस्फोटक ज्वालामुखी है।

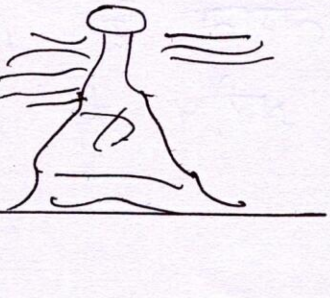

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बाढ़ बेसाल्ट

अत्यधिक लावा उत्सर्जित करते है जो अत्यधिक दुरी तक बह जाते है। महाराष्ट्र का दक्कन

आन्तरिक रूप से

जब लावा बाहर ना निकलकर आन्तरिक रूप से रहता है तब बेथोलिथ, डायक, नलिका के रूप मे जमा हो जाता है।

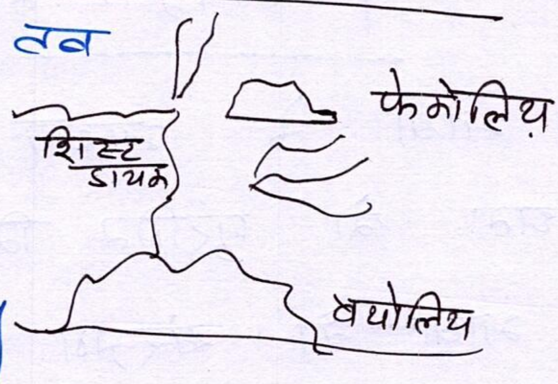

ज्वालामुखी एक महत्वपूर्ण घटना है. इसका पृथ्वी के अभिविन्यास पर कई प्रकार से प्रभाव पड़ता है।

20. भाषायी आधार पर राज्यों का पुनर्गठन भारत के स्वतंत्रता-पश्चात् इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण कदम था। भारत की राष्ट्रीय एकता और विकास पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

The reorganization of states on linguistic lines was a significant step in India's post-independence history. Evaluate its impact on India's national unity and development. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भारत की एकमात्र राजभाषा हिन्दी थी लेकिन स्वतंत्रता के बाद दक्षिणी राज्यों तथा उत्तर-पूर्वी राज्यों मे भाषायी आधार की माँग उठी।

महत्वपूर्ण कदम

(i) भाषा के आधार विभाजन से भाषा की विविधता को सुरक्षित किया जा सकता है।

(ii) भाषा को संरक्षण ~~[illegible]~~ प्रदान किया जा सकता है।

(iii) राष्ट्रीय एकता की भावना को बल।

(iv) सभी राज्यों को राजभाषा चुनने का स्वतंत्र अधिकार दिया गया।

जैसे- आंध्रप्रदेश- कर्नाटक तथा तमिलनाडु को विभाजित किया गया।

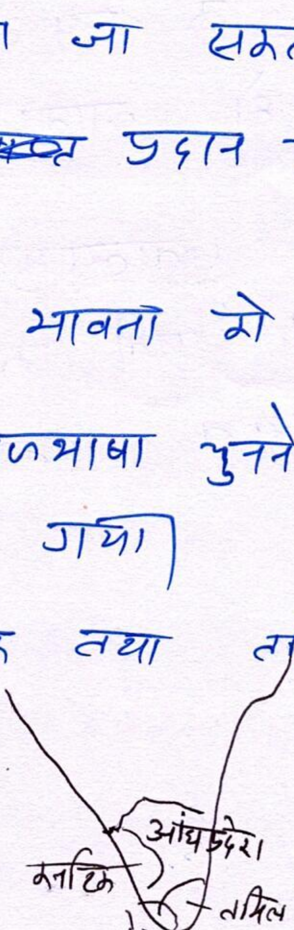

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रीय एकता तथा विकास पर प्रभाव

सकारात्मक प्रभाव

1. सभी भाषाओं के संरक्षण को बढ़ावा दिया गया।
2. भाषाओं को बल दिया गया।
3. भाषायी आधार पर हो रहे विद्रोह के कारण जन-जनता को हो रही परेशानियों को कम किया।
4. निविघ्नतापूर्वक भारत की स्थापना हुई।
5. स्वतंत्र राज्य विकास से एकता तथा आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिला।
6. लोगों में भाषा के प्रति प्रेम तथा एकत्व की भावना पैदा हुई।

हालांकि कुछ नकारात्मक प्रभाव भी पड़े.

1. यह राजनीतिक पार्टियों को अन्य भाषाओं के आधार पर विभाजन का एक आधार देता है, पार्टियों के द्वारा आज भी मांग कर रहे है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(2) भाषायी क्षेत्रवाद का विकास हुआ।

(3) भाषायी आधार पर विभाजन के लिए प्रयास बढ़े।

(4) भाषायी प्रतिरोध भी पैदा हुआ।
जैसे- दक्षिण राज्यों मे हिन्दी के लिए।

(5) भाषायी मान्यता के लिए विरोध किया गया।
Eg → राजस्थानी भाषा।

प्रयास
- शिक्षा मे विकास के लिए भारतीय भाषाओं मे अनुवाद किया जाए
- सिविल सेवकों द्वारा भारतीय भाषाओं को सीखना
- त्रिभाषा सूत्र को अपनाया जाए।
- linguistic survey मे उपलब्ध भाषाओं को संरक्षण दिया जाना चाहिए
- राष्ट्रभाषा को बढ़ावा देनी चाहिए
- मातृभाषा को शिक्षानीति 2020 के अनुरूप बनाया जाए।

भाषा संचार का माध्यम है भारत मे भाषायी विविधता को बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। विविधता मे एकता मूलक समाज भारत की पहचान मजबूत होनी चाहिए।

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)